Roll No. ..... Total Pages : 04

GSE/D-21 711

SANSKRIT
(Elective)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. सभी प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : **8×2=16**

(i) सुदर्शन कहाँ के राजा थे ?

(ii) हितोपदेश में धर्म का मार्ग कितने प्रकार का बताया है ?

(iii) भर्तृहरि ने विद्वानों को किससे ग्रस्त बताया है ?

(iv) सज्जनों की मित्रता कैसी होती है ?

(v) 'पितृ' प्रातिपदिक का सप्तमी, एकवचन में रूप क्या होगा ?

(vi) 'नम्' धातु का लङ्लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन का रूप लिखिए ।

(vii) मातृ + अंश = ... ?

(viii) तन्मयम् = ... ?

2. (क) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : **2×5=10**

(i) असाधनाः वित्तहीनाः बुद्धिमन्तः सुहृत्तमाः ।
साधयन्त्याशु कार्याणि काककूर्ममृगाखुवत् ।।

अथवा

प्रत्याख्याने च दाने च सुखदु:खे प्रियाप्रिये ।
आत्मौपम्येन पुरुष: प्रमाणमधिगच्छति ।।

(ii) चित्रग्रीव उवाच-'सखे हिरण्यक ! किमस्मान्न संभाषसे ?' ततो हिरण्यकस्तद्वचनं प्रत्यभिज्ञाय ससंभ्रमं बहिर्निसृत्याब्रवीत्-
'आ: पुण्यवानस्मि, प्रियसुहृन्मे चित्रग्रीव: समायात: ।'

अथवा

तौ दृष्ट्वा काकोऽवदत्-'सखे चित्राङ्ग ! कोऽयं द्वितीय: ? मृगो ब्रूते-'जम्बुकोऽयम् । अस्मत्सख्यमिच्छन्नागत: । काको ब्रूते-मित्र ! अकस्मादागन्तुना सह मैत्री न युक्ता । तन्न भद्रमाचरितम् ।

(ख) वृद्धव्याघ्र-लुब्धविप्र **अथवा** मृगशृगाल कथा का सार अपने शब्दों में लिखिए । **6**

3. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए : **2×5=10**

(i) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं, हारा न चन्द्रोज्ज्वला,
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालंकृता मूर्धजा: ।।
वाण्येका समलंकरोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते,
क्षीयन्तेऽखिलभूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

(ii) परिवर्तिनि संसारे मृत: को वा न जायते ।
स: जातो येन जातेन याति वंश समुन्नतिम् ।।

(iii) दुर्जनः परिहर्तव्यो विधयालकृंतोऽपि सन् ।
मणिना भूषितः सर्पः किमसौ न भयङ्करः ।।

(ख) निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

मूर्खस्य नास्त्यौषधम् ।

अथवा

वाराङ्गनेव नृपनीतिरनेकरूपा ।

4. (क) दो प्रातिपदिकों के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए : **2×4=8**

(i) लता–प्रथमा, तृतीया

(ii) कवि–चतुर्थी, पञ्चमी

(iii) राम–पञ्चमी, सप्तमी

(iv) अस्मद्-प्रथमा, तृतीया ।

(ख) **दो** धातुओं के यथानिर्दिष्ट लकारों में रूप लिखिए : **2×4=8**

(i) भू–लोट्

(ii) नम्–लृट्

(iii) कृ–लङ्

(iv) याच्–लट् ।

5. (क) (i) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का सन्धि विच्छेद कीजिए : **4×1=4**

स्वागतम्, देवर्षिः, वागीशः, जगन्नाथः, कश्चित्, गंगोदकम् ।

(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** की सन्धि कीजिए : **4×1=4**

श्वेत + अम्बरः, प्रति + एकम्ः, परम + उत्सुकः,
गै + अकः, रामस् + टीकते, उत् + चारणम् ।

(ख) **दो** कण्ठस्थ श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न-पत्र में न हों। **2×4=8**